>

Title : Need to create posts of Safai Karamchari in all the Government departments for the socio-economic and educational development of Balmiki Community in the country.

श्री वीरेन्द्र कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, समाज के हिसाब से अंतिम पंक्ति का जो अंतिम व्यक्ति होता है, उस अंतिम व्यक्ति की बात मैं आपके माध्यम से सदन में उठाना चाहता हूं। बाल्मीकि समाज सबसे पिछड़ा समाज होता है। आर्थिक दृष्टि से काफी गरीब समाज होता है। हमारे हिन्दू समाज की जो स्थिति है, इसमें पहले चार वर्ण होते थे, 117 गोत्र होते थे और 36 जातियां होती थीं।

उपाध्यक्ष महोदय : आप कहानी मत बताइए। आप अपने विषय पर बोलिए। कहानी तो बहुत लोग जानते हैं।

श्री वीरेन्द्र कुमार : अभी वर्तमान में 6500 जातियां और अनेक पूजातियां हैं। उनकी पीड़ा को समझने के थोड़े से शब्दों में मुझे इतिहास बताना पड़ेगा और थोड़ सा मुझे सुनना पड़ेगा, तभी मैं अपनी बात स्पष्ट कर पाऊंगा। मध्य युग में जब विदेशी आक्रमकारी हमारे देश में आए थे। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आपने जो विषय जीरो आवर में बोलने के लिए दिया है, उस पर बोलिए।

श्री वीरेन्द्र कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, मैं उसी विषय पर आ रहा हूं। हमें आप बोलने तो दीजिए।

महोदय, मध्य युग में जब विदेशी आक्रमणकारियों ने हमारे यहां लोगों पर आक्रमण कर के उनका जबर्दस्ती धर्म परिवर्तन कराना प्रारम्भ किया और लोगों का स्वाभिमान भंग करना प्रारम्भ किया, तो उस समय बाल्मीकि समाज ने इस चुनौती को स्वीकार किया और उन्होंने सफाई का कार्य करना पसन्द किया। इसे ही उन्होंने अपने जीवन-यापन का साधन बना लिया, लेकिन उनके जीवन-यापन का यह जो साधन है, वह आज खतरे में है।

मैं, आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि पिछले 15 वर्षों से सरकारी विभागों में और गैर-सरकारी विभागों में सफाई कर्मचारियों के पदों का सृजन नहीं किया गया है, जबकि देश के प्रत्येक उद्योग में, कारखाने में, अस्पतालों में, रेलवे में, सरकारी कार्यालयों और गैर-सरकारी कार्यालयों में, यहां तक कि देश के सभी गांवों और कस्बों में, नगरपालिकाओं में, शहरों और सभी स्थानों पर सफाई का कार्य बाल्मीकि समाज के लोग ही करते आए हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्या चाहते हैं, वह बोलिए।

श्री वीरेन्द्र कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, मैं उसी पर आ रहा हूं। ...(व्यवधान)

बाल्मीकि समाज के लोगों के साथ बाहर भी अन्याय हो रहा है और इस सदन में भी अगर बाल्मीकि समाज के लोगों की बात को नहीं रखा जायेगा, नहीं सुना जायेगा तो उनकी पीड़ा कौन दूर करेगा?

उपाध्यक्ष महोदय : आप कितनी देर तक बोलेंगे, बताइये?

श्री वीरेन्द्र कुमार : मैं संक्षेप में ही कह रहा हूं। अभी तो मैंने आधा मिनट भी नहीं लिया।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि अब सभी स्थानों पर ये सारे के सारे सफाई के कार्य ठेके पर दिये जाने लगे हैं। अगर हम बाहर की बात छोड़ दें तो यहां पर भी जो विभिन्न स्थानों पर सफाई का काम दिया जा रहा है, वह भी ठेके पर दिया जा रहा है। उसमें जो लोग सफाई का काम कर रहे हैं, उसमें बाल्मीकि समाज के लोग भी हैं और दूसरे समाज के लोग भी इस काम को कर रहे हैं। वर्तमान में इस ठेके के काम को बड़े पूंजीपतियों द्वारा कराया जा रहा है, जहां बाल्मीकि समाज के लोगों को स्थान नहीं दिया जाता है और अगर दिया भी जाता है तो उनको मात्र दो या ढाई हजार रुपये मजदूरी देकर प्रतिमाह उनसे काम करवाया जाता है।

इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि बाल्मीकि समाज को आर्थिक रूप से, सामाजिक रूप से और शैक्षणिक रूप से समृद्ध करने के लिए पूर्व के समान सभी विभागों में सफाई कर्मचारियों के पदों का सृजन करके बाल्मीकि समाज के लोगों को उसमें प्राथमिकता से भर्ती किया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय :

श्री अशोक अर्गल को भी इसके साथ सम्बद्ध किया जाये।